



Anvil vats

03 Aug 2013

12:39 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120885904

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 03/08/2013
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 12:39:14 घंटे
इष्ट _____: 17:18:58 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:18:06 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:12 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:06:13 घंटे
सूर्योदय _____: 05:43:38 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:10:26 घंटे
दिनमान _____: 13:26:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 17:04:11 कर्क
लग्न के अंश _____: 16:30:49 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मिथुन - बुध
नक्षत्र-चरण _____: आर्द्रा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: हर्षण
करण _____: तैतिल
गण _____: मनुष्य
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: कू-कुसुम
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

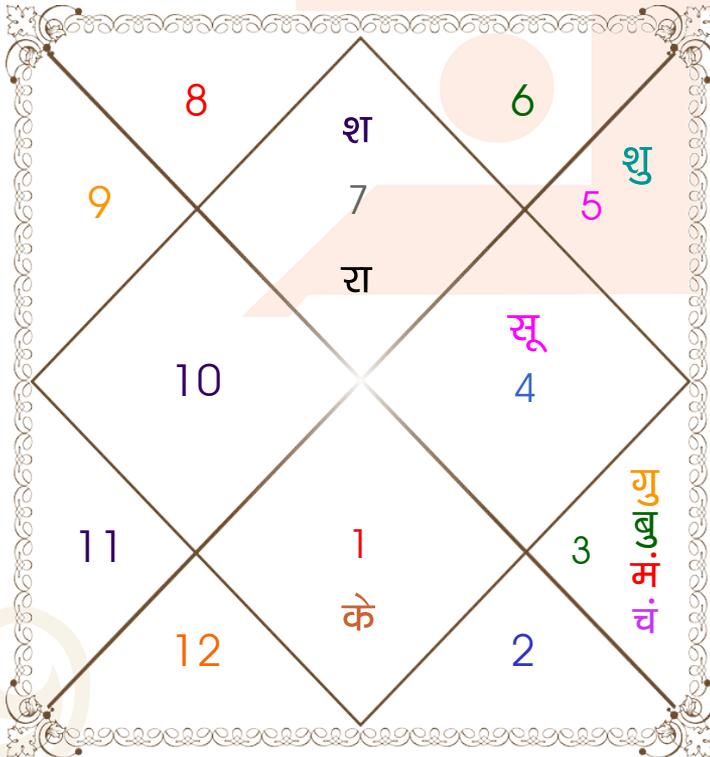
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न	तुला	16:30:49	308:54:48	स्वाति	3 15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य	कर्क	17:04:11	00:57:27	आश्लेषा	1 9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र	मिथु	07:15:40	11:49:19	आर्द्रा	1 6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल	मिथु	19:49:21	00:39:38	आर्द्रा	4 6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
बुध	मिथु	28:08:53	01:17:21	पुनर्वसु	3 7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु	मिथु	14:24:53	00:12:33	आर्द्रा	3 6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	सिंह	20:03:28	01:11:42	पूर्वाफाल्गुनी	3 11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	तुला	11:19:11	00:02:30	स्वाति	2 15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व तुला	18:41:19	00:08:03	स्वाति	4 15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व मेष	18:41:19	00:08:03	भरणी	2 2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व मीन	18:21:43	00:00:47	रेवती	1 27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व कुंभ	10:32:34	00:01:28	शतभिषा	2 24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व धनु	15:28:42	00:01:14	पूर्वाषाढा	1 20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव	कर्क	20:02:30	--	आश्लेषा	-- 9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

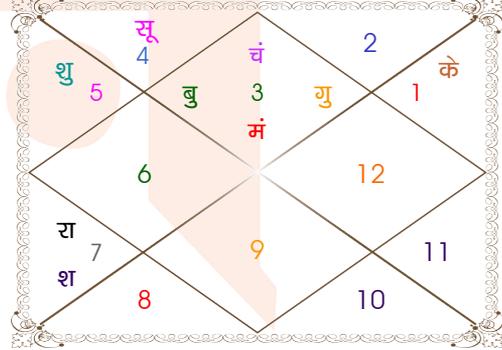
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:02

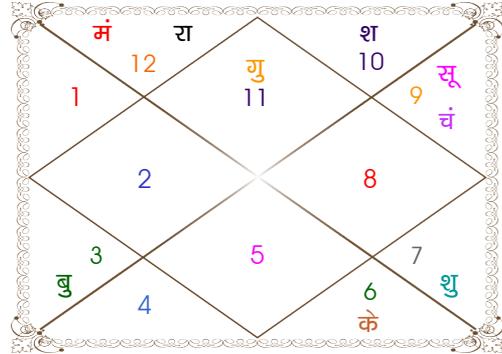
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 2 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष 03/08/2013 14/10/2030	गुरु 16 वर्ष 14/10/2030 14/10/2046	शनि 19 वर्ष 14/10/2046 14/10/2065	बुध 17 वर्ष 14/10/2065 14/10/2082	केतु 7 वर्ष 14/10/2082 14/10/2089
राहु 27/06/2015	गुरु 02/12/2032	शनि 17/10/2049	बुध 12/03/2068	केतु 13/03/2083
गुरु 20/11/2017	शनि 15/06/2035	बुध 26/06/2052	केतु 09/03/2069	शुक्र 12/05/2084
शनि 26/09/2020	बुध 20/09/2037	केतु 05/08/2053	शुक्र 08/01/2072	सूर्य 17/09/2084
बुध 15/04/2023	केतु 27/08/2038	शुक्र 05/10/2056	सूर्य 13/11/2072	चंद्र 18/04/2085
केतु 03/05/2024	शुक्र 27/04/2041	सूर्य 17/09/2057	चंद्र 15/04/2074	मंगल 14/09/2085
शुक्र 03/05/2027	सूर्य 13/02/2042	चंद्र 18/04/2059	मंगल 12/04/2075	राहु 02/10/2086
सूर्य 27/03/2028	चंद्र 15/06/2043	मंगल 27/05/2060	राहु 29/10/2077	गुरु 08/09/2087
चंद्र 26/09/2029	मंगल 21/05/2044	राहु 03/04/2063	गुरु 04/02/2080	शनि 17/10/2088
मंगल 14/10/2030	राहु 14/10/2046	गुरु 14/10/2065	शनि 14/10/2082	बुध 14/10/2089

शुक्र 20 वर्ष 14/10/2089 15/10/2109	सूर्य 6 वर्ष 15/10/2109 16/10/2115	चंद्र 10 वर्ष 16/10/2115 15/10/2125	मंगल 7 वर्ष 15/10/2125 15/10/2132	राहु 18 वर्ष 15/10/2132 00/00/0000
शुक्र 13/02/2093	सूर्य 02/02/2110	चंद्र 15/08/2116	मंगल 13/03/2126	राहु 04/08/2133
सूर्य 13/02/2094	चंद्र 03/08/2110	मंगल 16/03/2117	राहु 01/04/2127	00/00/0000
चंद्र 15/10/2095	मंगल 09/12/2110	राहु 15/09/2118	गुरु 07/03/2128	00/00/0000
मंगल 14/12/2096	राहु 03/11/2111	गुरु 15/01/2120	शनि 16/04/2129	00/00/0000
राहु 15/12/2099	गुरु 21/08/2112	शनि 15/08/2121	बुध 13/04/2130	00/00/0000
गुरु 16/08/2102	शनि 03/08/2113	बुध 15/01/2123	केतु 09/09/2130	00/00/0000
शनि 15/10/2105	बुध 10/06/2114	केतु 16/08/2123	शुक्र 09/11/2131	00/00/0000
बुध 15/08/2108	केतु 15/10/2114	शुक्र 16/04/2125	सूर्य 16/03/2132	00/00/0000
केतु 15/10/2109	शुक्र 16/10/2115	सूर्य 15/10/2125	चंद्र 15/10/2132	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपका जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली हैं। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृत्ति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादाती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी हैं। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपको अंदर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजूक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

